डीपीएस में साइबर बुलिंग और हिंसा रोकने पर किया जागरूक

संवाददाता, पाकुड़

कार्यक्रम के दौरान मौजूद बच्चे.

यूनेस्को और एनसीइआरटी के आह्वान पर गुरुवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रांगण में हिंसा और साइबर बुलिंग के खिलाफ संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य जेके शर्मा, कोर मेंबर नेहा चक्रवर्ती, समन्वयक सह कंप्यूटर शिक्षक सौरीश दत्ता, कंप्यूटर शिक्षक उज्ज्वल कुमार, नासरीन तथा विद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल हुए. प्रधानाचार्य जेके शर्मा ने बच्चों को डिजिटल युग में सतर्क रहकर स्वयं को सुरक्षित रखने के उपायों की जानकारी दी. उन्होंने वर्ष 2025 के विषय रकनेक्टेड, प्रोटेक्टेड और एम्पॉवर्ड पर बताया कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य ऑनलाइन और तकनीक-सुविधाजनक हिंसा को समाप्त करना है. निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने कहा कि आज के डिजिटल युग में छात्रों को साइबर अपराध, धमकी और हिंसा से सुरक्षा के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है. डिजिटल नेटवर्क अब पठन-पाठन का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है, अतः इसके सुरक्षित उपयोग को लेकर बच्चों में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है. विद्यालय के समन्वयक और कंप्यूटर शिक्षक सौरीश दत्ता ने विभिन्न वीडियो और पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी. उन्होंने साइबर बुलिंग का अर्थ समझाते हुए बच्चों को सतर्क रहने की सलाह दी और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के उपाय बताये. साथ ही उन्होंने डिजिटल नकली पहचान, प्रलोभन आदि की पहचान करने के कुछ व्यावहारिक उपाय भी साझा किये. एआइ विषय के शिक्षक उज्ज्वल कुमार ने बच्चों को पासवर्ड, आईडी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित उपयोग से जुड़ी जानकारी दी. उन्होंने बच्चों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग किया. कार्यक्रम के अंत में साइबर सुरक्षा से संबंधित बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया गया.